REET 2025 L-1 & 2

हिंदी

उपचारात्मक शिक्षण

- **उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching):-** एक ऐसी शिक्षण प्रक्रिया है जो उन छात्रों की सहायता के लिए तैयार की जाती है, जिनके सीखने में कठिनाई हो रही हो। इसका उद्देश्य छात्रों की व्यक्तिगत समस्याओं का विश्लेषण करना और उन्हें उनकी आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षण सामग्री प्रदान करना है क्योंकि यह शिक्षकों से बच्चों की विविध शैक्षिक आवश्यकताओं को समझने की अपेक्षा करता है।

उपचारात्मक शिक्षण की विशेषताएँ

1. **व्यक्तिगत ध्यान:-** यह शिक्षण विधि प्रत्येक छात्र की व्यक्तिगत समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करती है।
2. **विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण:-** छात्रों की कमियों का विश्लेषण करके उनके लिए उपयुक्त समाधान प्रस्तुत किया जाता है।
3. **लचीलापन:-** इसमें शिक्षण सामग्री और विधि को छात्र की आवश्यकता अनुसार संशोधित किया जाता है।

परिवर्तन

- **4. निरंतर मूल्यांकन:-** नियमित परीक्षण और मूल्यांकन के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि छात्र ने अपनी समस्या को हल किया है या नहीं।
- **5. प्रेरणा पर बल:-** छात्रों को प्रेरित करने और उनकी रुचि बढ़ाने के लिए शिक्षण को रोचक बनाया जाता है।

उपचारात्मक शिक्षण के उद्देश्य -

* छात्रों की कमजोरियों को दूर करना
* भाषा से जुड़ी समस्याओं को पहचानकर उनका समाधान करना
* छात्रों का विकास सही दिशा में करना
* समाज स्वीकृत आदतों को अपनाना सीखाना।
* विषयों को सीखने में आने वाली समस्याओं को दूर करना।

उपचारात्मक शिक्षण की प्रक्रिया

- **1. समस्या का निदान :-** छात्रों की समस्याओं को पहचानने के लिए प्रारंभिक परीक्षण या मूल्यांकन किया जाता है।
- **उदाहरण :-** गणित के किसी प्रश्न को हल करने में यदि छात्र गलती करता है, तो उसकी गलती का कारण समझा जाता है।
- **जैसे:-** यदि छात्र को जोड़ने (addition) में परेशानी हो रही है, तो यह देखा जाएगा कि उसे अंक पहचानने में कठिनाई है या जोड़ के सिद्धांत में।

2. समूह बनाना :-

- समान समस्याओं वाले छात्रों के लिए छोटे समूह बनाए जाते हैं।
- **उदाहरण :-** यदि 5 छात्रों को "भिन्न" (fractions) समझने में कठिनाई हो रही है, तो उन्हें एक साथ पढ़ाया जाएगा।

3. उपचारात्मक शिक्षण का नियोजन:-

- छात्रों की समस्याओं के आधार पर शिक्षण सामग्री और गतिविधियों का चयन किया जाता है।

उदाहरण :- यदि हिंदी व्याकरण के "काल" समझने में दिक्कत है, तो शिक्षण को उदाहरण आधारित बनाया जाएगा, जैसे:

- **भूतकाल :-** मैं कल स्कूल गया। (बीता हुआ समय)
- **वर्तमान काल :-** मैं अभी स्कूल जा रहा हूँ। (वर्तमान समय में होने का बोध)
- **भविष्य काल :-** मैं कल स्कूल जाऊँगा। (कार्य का आने वाले समय में होने का बोध हो।)

4. शिक्षण का कार्यान्वयन:- गतिविधियों, खेल, और मॉडल्स का उपयोग करके शिक्षण को प्रभावी बनाया जाता है।

उदाहरण :- गणित के लिए मापन और वजन सिखाने हेतु वस्तुओं का उपयोग।

5. पुनः मूल्यांकन:-

- उपचारात्मक शिक्षण के बाद छात्रों की प्रगति का परीक्षण किया जाता है।
- **उदाहरण 1 :-** गणित (गुणा सीखने में समस्या)

समस्या :- छात्र को गुणा के आधारभूत नियम नहीं समझ आ रहे हैं।

उपचारात्मक कदम :-

1. छात्र को बार-बार जोड़ने का व्यावहारिक उदाहरण दें।

   $2 \times 3 = 2 + 2 + 2 = 6$

2. उन्हें टेबल्स याद कराने के लिए खेल और चार्ट का उपयोग करें।

3. मॉक टेस्ट के माध्यम से उनका मूल्यांकन करें।

उदाहरण 2: हिंदी (पढ़ने में समस्या)

समस्या: छात्र शब्दों को सही ढंग से पढ़ नहीं पाता।

उपचारात्मक कदम:

1. छात्र को सरल वाक्य पढ़ने के लिए कहें।
   जैसे:- राम खेल रहा है।
2. शब्दों की पहचान के लिए कार्ड्स का उपयोग करें।
3. धीरे-धीरे कठिन शब्द और वाक्य जोड़ें।

उपचारात्मक शिक्षण के उद्देश्य :-

1. शैक्षिक पिछड़ापन दूर करना: उन छात्रों की मदद करना जो विषय को समझने में पीछे रह जाते हैं।
2. स्वयं पर विश्वास बढ़ाना: छात्रों को अपनी क्षमताओं पर विश्वास करना सिखाना।
3. समस्या-समाधान कौशल विकसित करना: कठिन विषयों को सरल बनाकर समस्या हल करने की योग्यता देना।
4. समूह में सीखने की आदत डालना: सामूहिक रूप से कार्य करना सिखाना।
5. शिक्षण प्रक्रिया को लचीला बनाना: छात्रों की आवश्यकता के अनुसार शिक्षण तकनीकों में बदलाव करना।

उपचारात्मक शिक्षण में प्रयुक्त तकनीकें

1. **खेल और गतिविधियाँ :-**
   - छात्रों को विषय समझाने के लिए खेलों का उपयोग किया जाता है।

उदाहरण :- गणित में "गुणा" सिखाने के लिए लुडो का उपयोग, जहाँ एक बार में स्कोर को जोड़ने की प्रक्रिया सिखाई जा सकती है।

2. **ऑडियो-विज़ुअल तकनीक :-** ऑडियो और वीडियो क्लिप्स का उपयोग विषय को रोचक और समझने में आसान बनाने के लिए किया जाता है।

- उदाहरण :- अंग्रेजी में उच्चारण (pronunciation) सुधारने के लिए ऑडियो क्लिप्स का उपयोग।

3. प्रेरक गतिविधियाँ (Motivational Activities):

छात्रों को उनके प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के लिए प्रशंसा और पुरस्कार।

- उदाहरण :- छात्रों को उनके प्रयास के लिए स्टार या बैज देना।